www.facebook.com/kheldhaba www.youtube.com/kheldhaba www.twitter.com/kheldhaba www.kheldhaba.com

खेल ढाबा

पटना, रविवार, 17 सितंबर , 2023, ई-पेपर

RNI NUMBER APPLIED

पाकिस्तानी गेंदबाज नसीम के विश्वकप खेलने पर संशय पेज 04

डेविस कप: मुकुंद ने हार मानी,सुमित ने किया हिसाब बराबर पेज 02

पदक जीतने से ज्यादा कोशिश मायने रखती है: पीटी उषा पेज 02

हार्दिक के कारण टीम को संतुलन मिलता है : संजय बांगड़ पेज 04

संक्षिप्त खबरें

भारत की नजर आठवें एशिया कप खिताब पर

गत विजेता श्रीलंका को उसकी सरजमीं पर हरा कर भारतीय टीम रविवार को एशिया कप का खिताब आठवीं बार अपने नाम करने के इरादे से कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम पर उतरेगी।
अगले महीने पर भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप से पहले रोहित सेना के लिए यह खिताब आत्मविश्वास बढाने वाली टॉनिक के रूप में होगा। दोनों टीमों ने कुल मिलाकर आश्चर्यजनक रूप से 13 एशिया कप खिताब जीते हैं, जिसमें भारत ने सात और श्रीलंका ने छह खिताब जीते हैं।
विशेष पेज-4 पर

डायमंड लीगः खिताब बचाने में असफल रहे नीरज चोपड़ा

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज डायमंड लीग 2023 के फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। नीरज ने अपने दूसरे प्रयास में 83.80 मीटर का थ्रो किया था। इस फाइनल में नीरज का यह बेस्ट स्कोर रहा। 83.80 मीटर से आगे नीरज नहीं बढ़ पाए। इस तरह उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। वहीं चेक रिपब्लिक के जाकुब वादलेच ने अपने आखिरी प्रयास में 84.27 दूर भाला फेंक कर पहला स्थान हासिल किया। इसके अलावा फिनलैंड के ओलिवर हेलेंडर 83.74 मीटर के साथ तीसरे पायदान पर रहे। डायमंड लीग के फाइनल में नीरज चोपड़ा पूरी तरह से लय में नहीं दिखे और दो अटेंप्ट में उनका स्कोर खाली रहा। बांकी के चार प्रयास में सिर्फ दूसरे में वह 83.80 मीट की दूसरी हासिल कर पाए के बाद का उनका थ्रो काफी साधारण रहा। वहीं जाकुब वादलेच ने अपने पहले ही प्रयास में 84.1 मीटर की दूरी हासिल कर बढ़त बना ली।

बिहार का एक और क्रिकेटर अब इंडियन क्रिकेट टीम में दिखाएगा दम

रोहतास के आकाश दीप एशियाई खेलों में शिवम मावी की जगह भारतीय टीम में, बंगाल से खेलते हैं बीसीसीआई का घरेलू क्रिकेट

मुंबई/पटना, 16 सितंबर

बिहार का एक और क्रिकेटर इंडिया कैप पहनने की दहलीज पर खड़ा है। इस क्रिकेटर का नाम है आकाश दीप। बिहार के रोहतास जिले के शिवसागर प्रखंड के बड्डी गांव के रहने वाले आकाशदीप राष्ट्रीय मानचित्र पर चमकने को तैयार हैं। आकाशदीप का चयन एशियन गेम्स में जाने वाली भारतीय टीम में किया गया है। आकाशदीप को यह मौका शिवम मावी के चोटिल होने के बाद मिला है। पीठ की चोट से जूझ रहे मावी टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। हाल के वर्षों में बिहार के मुकेश कुमार और ईशान किशन ने टीम इंडिया में अपनी जगह बनाई है। गोपालगंज के रहने वाले और बंगाल की ओर से खेलने वाले मुकेश कुमार ने वेस्टइंडीज दौरे पर क्रिकेट के तीनों फार्मेट में डेब्यू किया है। झारखंड की ओर से खेलने वाले ईशान किशन ने इसी वर्ष टेस्ट मैच में डेब्यू किया है जबकि वनडे व टी20 में वे वर्ष 2021 में डेब्यू कर चुके हैं।

क्रिकेट के लिए घर और राज्य दोनों छोड़ा

आकाशदीप के पिता रामजी सिंह शारीरिक शिक्षक थे। वे अब इस दुनिया में नहीं है। उनकी माता लड्डुमा देवी गृहिणी हैं। पूरा परिवार गांव में ही खेती-बाड़ी करता है। हालांकि आकाशदीप की रूचि बचपन से क्रिकेट में रही। वह सासाराम के न्यू फजलगंज स्टेडियम में क्रिकेट का अभ्यास करते थे। यहां विनय कृष्ण ने उन्हें शुरुआती ट्रेनिंग दी। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन पर बैन लगने और बिहार में क्रिकेट का माहौल नहीं होने की वजह से उन्हें अपना कैरियर बनाने के लिए घर और राज्य को छोड़कर बंगाल जाना पड़ा। वह बंगाल के आसनसोल में अपने रिश्तेदार के घर पर रहकर क्रिकेट खेलने जाते थे। उनकी इस मेहनत का उन्हें कुछ समय में फल भी मिला और उन्हें बंगाल टीम में जगह मिल गई।

आकाशदीप वर्तमान में पश्चिम बंगाल रणजी क्रिकेट टीम का एक महत्वपूर्ण सदस्य है। उन्हें पहली बार जब पश्चिम बंगाल रणजी टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने इस साल बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कुल 90 विकेट चटकाये। लिस्ट ए में 32 और टी20 में 39 विकेट उनके नाम हैं। बीसीसीआई द्वारा आयोजित होने वाले घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट में बंगाल की ओर से खेलने वाले आकाशदीप आईपीएल में आरसीबी की ओर से खेलते हैं।

पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता टी20 प्रारूप में 28 सितंबर से आठ अक्टूबर तक होगी।

19वें एशियाई खेलों के लिए टीम इंडिया इस प्रकार है: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, अवेश खान, अर्शदीप सिंह , मुकेश कुमार, शिवम मावी, शिवम दुबे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), आकाश दीप।

खिलाड़ियों की स्टैंडबाय सूची: यश ठाकुर, साई किशोर, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुडा, साई सुदर्शन।

इस बीच, महिला चयन समिति ने 19वें एशियाई खेल हांगझाऊ 2022 में अंजलि सरवानी के प्रतिस्थापन के रूप में पूजा वस्त्राकर को नामित किया, जो पहले खिलाड़ियों की स्टैंडबाय सूची का हिस्सा थीं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सरवानी के घुटने में चोट लग गई और वह इस प्रतियोगिता से बाहर हो गयी हैं। टीम इंडिया (सीनियर महिला) टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (वीसी), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, देविका वैद्य, तितास साधु, राजेश्वरी गायकवाड़ , मिन्नू मणि, कनिका आहूजा, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अनुषा बारेड्डी, पूजा वस्त्राकर।

खिलाड़ियों की स्टैंडबाय सूचीः हरलीन देयोल, काशवी गौतम, स्नेह राणा, सैका इशाक।

गिरिडीह सेमीफाइनल में

गढ़वा, 16 सितंबर

गढ़वा जिला फुटबॉल संघ के द्वारा आयोजित झारखंड अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता का अंतिम क्वाटंरफाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें गिरिडीह ने पेनाल्टी शूटआउट में रामगढ़ को 4-3 से पराजित किया। इस जीत के साथ गिरिडीह ने सेमीफाइनल का टिकट कटा लिया। रविवार को सेमीफाइनल में जमशेदपुर की भिड़ंत गिरिडीह होगी। दूसरा सेमीफाइनल 18 सितंबर को खेला जायेगा जिसमें गोड्डा और बोकारो की टीमें भिड़ेंगी।

स्थानीय राम साहू पर खेले गए इस मैच का उद्घाटन पलामू

झारखंड अंतर जिला फुटबॉल

- रामगढ़ की टीम हारी, अंतिम चार में जमशेदपुर से होगी गिरिडीह की भिड़ंत आज
- गोड्डा और बोकारो की दूसरे सेमीफाइनल में मुकाबला 18 सितंबर को

जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष अशफाक अहमद ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर किया। उन्होंने कहा कि गढ़वा में पहली बार अंतर जिला प्रतियोगिता का आयोजन करना काफी सराहनीय है। यह गढ़वा ही नहीं पूरे पलामू के लिए गर्व की बात है। इस तरह का आयोजन होने से खिलाड़ियों में खेलने की भावना जागृत होती है। इस आयोजन से लोगों में एक अलग उत्साह है। यहां दर्शक काफी संख्या में देखने के लिए दूर-दूर से पहुंचे हैं।

मैच को देखने के लिए आयोजन समिति के संरक्षक उपायुक्त शेखर जमुआर, आयोजन समिति के अध्यक्ष राज महेश्वरम, सचिव आलोक कुमार मिश्रा, ओलंपिक संघ के

अध्यक्ष शैलेंद्र पाठक, उपाध्यक्ष उदय नारायण तिवारी सहित कई लोग उपस्थित थे। प्रतियोगिता का समापन 20 सितंबर को रंका में किया जाएगा।

प्रतियोगिता के समापन की तैयारी को रंका में जोर शोर से चल रही है। समापन समारोह को भव्य बनाने के लिए कई बाहर से कलाकारों को टीम पहुंचेगी जो दर्शकों का मनोरंजन करेगी। समापन समारोह को सफल बनाने के लिए आयोजन कमेटी के लोग रात दिन लगे हुए।

मोइनुल हक कप फुटबॉल में बेगूसराय ने खगड़िया को हराया

दरभंगा, 16 सितंबर

स्थानीय ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के स्टेडियम में चल रही 71वीं बिहार राज्य फुटबॉल चैंपियनशिप फॉर मोइनुल हक कप के जोन 3 के ग्रुप ए के अंतर्गत खेले गए मुकाबले में बेगूसराय ने खगड़िया को 1-0 से हराया। ग्रुप ए अंतर्गत समस्तीपुर और मुंगेर के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। ग्रुप बी के अंतर्गत जमुई बनाम नवादा का मैच होना था पर नवादा की टीम के नहीं आने के कारण जमुई को वाकओवर देकर पूरे अंक दे दिये गए।

दूसरे दिन खेले गए मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार फुटबॉल संघ के महिला टीम के संयोजक संजीव कुमार सिंह तथा हेड ऑफ रेफरी सत्येंद्र कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस प्रतियोगिता के चेयरमैन अमन सिंह ने अतिथियों का पाग चादर पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया ।

इस प्रतियोगिता के आयोजन सचिव मनीष राज ने प्रतियोगिता के दूसरे दिन के मैचों के बारे में जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रतियोगिता के दूसरे दिन का पहला मैच समस्तीपुर और मुंगेर के बीच खेला गया। इस मैच के पहले हाफ के पांचवें मिनट में पंद्रह जर्सी नंबर के विवेक रंजन ने समस्तीपुर टीम की तरफ से 1 गोल किया। वहीं इस मैच के अड़तालीस वें मिनट के दूसरे हाफ में चौदह नंबर की जर्सी पहने बाबु लाल सोरेन ने मुंगेर टीम की तरफ से एक गोल करके मैच को बराबरी पर खत्म किया।

दूसरा मैच खगड़िया और बेगूसराय के बीच खेला गया। बेगूसराय की टीम दोनों हॉफ में प्रतिद्वंदी टीम के खिलाड़ियों पर भारी पड़ी। खगड़िया की टीम के खिलाड़ी एक भी गोल नहीं कर पाए और अंततः बेगूसराय की टीम ने एक गोल करके खगड़िया को 1-0 से पराजित किया। इस मैच के दूसरे हाफ के पच्चीस वें मिनट में जर्सी नंबर दस के अंकित सरकार ने बेगूसराय टीम की तरफ से 1 गोल दाग करके करके मैदान में अपने टीम को जीत दिलाई। तीसरा मैच नवादा और जमुई के बीच होना तय था। लेकिन नवादा टीम के समय से मैदान में रिपोर्ट नहीं करने के कारण जमुई को वॉक ओवर मिला।

नई पारी क्रिकेट और राजनीति छोड़ कारोबार की दुनिया में उतरे गांगुली, स्पेन से किया बड़ा ऐलान

बंगाल में शुरू करेंगे स्टील फैक्ट्री, अगले साल से करने लगेगा काम

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सौरभ गांगुली क्रिकेट से रिटायर होने के बाद भी लगातार एक्टिव हैं। बीसीसीआई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं और अब वह बिजनेस की दुनिया में छाने के लिए तैयार हैं। बीच में यह भी चर्चा चली थी कि सौरभ गांगुली राजनीति में आयेंगे। गांगुली फिलहाल पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के साथ स्पेन के दौरे पर हैं और वहां से ही उन्होंने बड़ा ऐलान भी किया है। दादा ने अपने प्रदेश में स्टील फैक्ट्री लगाने का ऐलान किया है और इस फैक्ट्री के जरिए बहुत से लोगों को रोजगार मिल सकेगा। ममता बनर्जी अपने डेलिगेशन के साथ 12 दिनों के दौरे पर स्पेन और यूएई में हैं। गांगुली भी इस डेलिगेशन के साथ हैं और वहीं से उन्होंने बड़ा ऐलान किया है।

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने खुद इस बात का ऐलान गुरुवार को स्पेन के मैड्रिड में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए किया है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा खेल से ही जुड़े रहे हैं लेकिन अब कारोबार की दुनिया में उतरने जा रहे हैं। सौरभ गांगुली ने कहा कि हमने 2007 में एक छोटा सा स्टील प्लांट शुरू किया था और अब पश्चिम मेदिनीपुर के सालबोनी में एक स्टील फैक्ट्री लगाने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री का काम अगले 5 से 6 महीने में पूरा हो जाएगा। इस फैक्ट्री से स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

पिछले काफी वक्त से सौरभ गांगुली के राजनीति में उतरने की चर्चा हो रही है। कभी उन्हें बीजेपी से टिकट मिलने

का दावा किया जाता है तो कभी उन्हें ममता बनर्जी का करीबी कहा जाता है। खुद गांगुली ने अब तक राजनीति में उतरने की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, ममता बनर्जी के साथ विदेश दौर पर जरूर उन्होंने अपने कारोबार की दुनिया में उतरने का ऐलान कर दिया है। तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष ने मैड्रिड से अपने फेसबुक पेज पर इस संबंध में एक पोस्ट भी शेयर किया है।

गांगुली ने खुद कहा कि उनका परिवार एक बिजनेस फैमिली है, भले ही वे हमेशा से खेल से जुड़े रहे हैं। गांगुली के मुताबिक, मेरे दादाजी ने 50-55 साल पहले बंगाल में एक छोटा सा व्यवसाय शुरू किया था, उस समय राज्य सरकार की ओर से भी पूरा सहयोग मिला था। उन्होंने कहा कि इस राज्य ने हमेशा बाकी दुनिया को व्यापार के लिए आमंत्रित किया है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज इस देश में मौजूद हैं। यह बहुत स्पष्ट है कि सरकार राज्य और युवाओं के विकास के लिए काम करना चाहती है। गांगुली के बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली भी बिजनेस करते हैं। गांगुली पहले एक रेस्तरां भी चला चुके हैं।

खेलढाबा.कॉम के साथ जुड़कर अपने बिजनेस को दें नई उड़ान

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

Call For Advertisment

7870100025

सुमित्रा सुरेंद्र स्मृति वॉलीबॉल का खिताब डीएसपी एमयू ने जीता

रांची,16 सितंबर

शनिवार यानी 16 सितंबर को रांची विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रशिक्षण संस्थान के मैदान में एकदिवसीय सुमित्रा सुरेंद्र स्मृति वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में रांची जिला की कुल 12 टीमों ने भाग लिया। रांची विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ० सुदेश कुमार साहू एवं झारखंड ओलंपिक संघ के सचिव मधुकांत पाठक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इन सभी अतिथियों का विकास कुमार वर्मा (कार्यकारी अध्यक्ष, रांची जिला वालीबाल संघ) एवं राम सुधीर झा (कोषाध्यक्ष, रांची जिला वालीबाल संघ) ने पुष्प गुच्छ से इनका स्वागत किया। इस प्रतियोगिता में आर यू एस आर सी, एम वाय बी, डीएसपीएमयू, गाड़ीगांव होटटवार जूनियर, गाड़ी गांव होटटवार सीनियर, मोराबादी वॉलीबॉल क्लब, पिठौरिया वॉलीबॉल क्लब, चापछ टोली वॉलीबॉल क्लब, एयर ट्रैफिक कंट्रोल वॉलीबॉल क्लब, पाथर्डीह वॉलीबॉल क्लब,सेंट जेवियर्स रेड एवं संत जेवियर ब्लू ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में पाथर्डीह वॉलीबॉल क्लब ने आ र्यू एस आर सी को 3-0 से पराजित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। फाइनल मैच में डीएसपी एमयू ने गाड़ी गांव होटवार को 25-21,21-25 एवं 25- 23 से पराजित कर खिताब जीता। प्रतियोगिता के फाइनल में शेखर बोस, पत्रकार विजय पाठक, अंजनी चौबे ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर पत्रकार चंचल भट्टाचार्य,अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक संजय कुमार, झारखंड वॉलीबॉल संघ के कोषाध्यक्ष उत्तम राज, शंकर बोस, सीआईएसएफ के मुख्य प्रशिक्षक अमरजीत सिंह खरे, विश्वजीत नंदी, भोला प्रताप सिंह, शाहिद राज्य के कई पूर्व एवं वर्तमान खिलाड़ी उपस्थित रहे।

शिहान सुनील किस्पोट्टा 20 सितंबर को देहरादून जाएंगे

रांची। आगामी 21 सितंबर से कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में देहरादून में आयोजित कैडेट एवं जूनियर ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के तकनीकी निदेशक सह नेशनल कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा 20 सितंबर को रवाना होंगे। शिहान सुनील किस्पोट्टा आधिकारिक रूप से इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनेंगे।

सिमडेगा जिला हॉकी चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला आज

रांची। हॉकी सिमडेगा द्वारा आयोजित 18वीं मेजर ध्यानचंद सीनियर सिमडेगा जिला हॉकी चैंपियनशिप 2023 में शनिवार को महिला और पुरुष वर्ग का सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। पुरुष वर्ग में लिटिल टाइगर क्लब ए टीम और गोस्सन कॉलेज सिमडेगा तथा महिला वर्ग में एसटीसी लचड़ागढ़

ए और एसएस बालिका उच्च विद्यालय सिमडेगा की टीमें अपने-अपने मैच जीत कर फाइनल में पहुंचीं। महिला वर्ग के सेमीफाइनल में एसएस बालिका उच्च विद्यालय सिमडेगा ने एसटीसी सिमडेगा को 7-0 से तथा एसटीसी लचड़ागढ़ ए ने एसटीसी लचड़ागढ़ बी को 10-0 पराजित कर फाइनल में पहुंची। वहीं पुरुष में गोस्सनर कॉलेज सिमडेगा ने एसटी ब्रदर सिमडेगा को 9-3 गोल से पराजित तथा लिटिल टाइगर ए ने एटीसी सिमडेगा को 4-1 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाया। कल फाइनल मैच में मुख्य रूप से सिमडेगा सभा के विधायक भूषण बड़ा, सिमडेगा के उपायुक्त अजय कुमार सिंह एवं अन्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। आज के आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से हॉकी सिमडेगा के मनोज कोनबेगी,सुनील तिर्की, पंखरासियुस टोप्पो, कमलेश्वर मांझी, ,बसंत बा,,वेद प्रकाश,अनु राहुल मिंज,प्रतिमा तिर्की, करिश्मा परवार, कुनुल भेंगरा,सुजीत एक्का,, बिनोद कुल्लू,एलशन किड़ो इत्यादि की प्रमुख भूमिका रही।

शंख व दामोदर की टीमें फाइनल में

मीडिया कप फुटबॉल 2023

- पहले सेमीफाइनल में शंख ने मयूराक्षी व दूसरे सेमीफाइनल में दामोदर ने अजय को हराया

रांची,16 सितंबर

लीग मैच में शानदार प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए टीम शंख ने सेमीफाइनल मुकाबले में टीम मयूराक्षी को 2-0 से हराकर मीडिया कप फुटबॉल 2023 के फाइनल में जगह बनाई, जहां उसका मुकाबला टीम दामोदर से होगा। दामोदर ने दूसरे सेमीफाइनल में टीम अजय को 2-1 से हराकर खिताबी मुकाबले के लिए जगह सुरक्षित किया।

मोरहाबादी के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में शनिवार को खेले गए पहले मुकाबले में रिजवान आरिफ के गोल की बदौलत मैच के 18वें मिनट में शंख ने बढ़त बनाई। मध्यांतर तक यही स्कोर बरकरार रहा। मध्यांतर के बाद जिलानी ने 34वें मिनट में गोल दाग कर शंख को 2-0 से आगे कर दिया। अंततः मैच इसी स्कोर पर खत्म हुआ। प्लेयर ऑफ मैच का पुरस्कार मैच में शानदार ओवरऑल प्रदर्शन करनेवाले नूतन तिर्की को दिया गया। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में टीम दामोदर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम अजय को 2-1 से पराजित किया। मैच के 6ठे मिनट में मोनू ने शानदार मैदानी गोल दाग टीम दामोदर को बढ़त दिलाई। 32वें मिनट में संदीप ने मोनू के पास पर एक और गोल दाग टीम को 2-0 से आगे कर दिया। मैच के आखिरी

दस मिनटों ने टीम अजय ने काफी आक्रामक खेल दिखाया और 39वें मिनट में जीतेन्द्र के गोल की बदौलत मैच में वापसी की संभावना जगाई लेकिन प्लेयर ऑफ द मैच शानू के शानदार रक्षण की बदौलत ये संभव नहीं हो पाया। अंततः टीम दामोदर ने 2-1 से मैच जीत फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबला रविवार को शाम 7.30 बजे से दुधिया रौशनी में खेला जाएगा। इससे पहले सेमीफाइनल मैच की शुरुआत पूर्व आइएएस अधिकारी एनएन सिन्हा और अरूण सिंह ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

देवघर जिला में क्रिकेट टीम का रजिस्ट्रेशन 17 सितंबर से

देवघर। शनिवार यानी 16 सितंबर को स्थानीय के के एन स्टेडियम में देवघर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की बैठक की गई जिसमें नये सत्र के लिए कई कार्यक्रम बनाये गए। 2023 - 2024 लीग मैच सुपर डिवीजन, ए डिवीजन और बी डिवीजन के मैच का रजिस्ट्रेशन का डेट की घोषणा कर दी गई है। सभी टीम को अपना रजिस्ट्रेशन आगामी 17 सितंबर से 28 सितंबर के बीच करा लेनी होगी। विशेष जानकारी के लिए नीरज सिन्हा (मोबाइल नंबर-9234721156), इफ्तिखार शेख (मोबाइल नंबर 9431190287) और अमरेंद्र कुमार (मोबाइल नंबर 8709410125) से संपर्क कर सकते हैं। बैठक में क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव विजय झा, के के ठाकुर, अनिल झा, इफ्तिखार शेख, हिमांशु कुमार, अभय गुप्ता, आलोक राजहंस, कृष्ण कुमार बरनवाल, नवीन शर्मा, राजन कुमार, अमरेंद्र कुमार, नीरज सिन्हा और राकेश पांडे मौजूद थे।

आरा में कौशिक दुलार वनडे इनामी क्रिकेट टूर्नामेंट अक्टूबर में

आरा,16 सितंबर

अक्टूबर के पहले सप्ताह में आयोजित होने वाले कौशिक दुलार मेमोरियल वनडे इनामी क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता उपविजेता टीमों को दी जाने वाली ट्रॉफी शनिवार यानी 16 सितंबर को अनावरण किया गया। यह टूर्नामेंट भोजपुर जिला क्रिकेट संघ से मान्यता प्राप्त है।

ट्रॉफी का अनावरण भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार पांडे , बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के ओ.एस.डी. मनोज कुमार, कौशिक दुलार स्पोर्ट्स के फाउंडर और इस टूर्नामेंट के स्पॉन्सर विवेक कौशिक ने किया। इस मौके पर अलावा देव, धीरज,बब्लू, अनीस,शोभित,मुकेश के साथ-साथ बहुत सारे खेल प्रेमी मौजूद थे। ट्रॉफी अनावरण के मौके पर भाग लेने वाली टीमों के प्रशिक्षक व कोच भी मौजूद थे।

टूर्नामेंट में भोजपुर जिला की कुल 8 टीम हिस्सा ले रही हैं। इस टूर्नामेंट की विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 10001 और रनर को ट्रॉफी के साथ 5001 के अलावा खिलाड़ियों को बहुत सारे आकर्षक उपहार दिए जायेंगे। इस टूर्नामेंट के अनावरण पर विवेक कौशिक जो खुद एक बहुत अच्छे

क्रिकेट खिलाड़ी है उन्होंने कहा कि ये आयोजन भोजपुर जिला में क्रिकेट को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए एक प्रयास है। इसके साथ ही नए खिलाड़ियों को भी मौका मिलेगा और आगे भी इस तरह के आयोजन को हमारी तरफ से हर वर्ष करने का प्रयास किया जायेगा। भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार पांडे और बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के ओ.एस.डी. मनोज कुमार के द्वारा इस टूर्नामेंट के लिए सभी कैप्टेंस के साथ सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। उसके साथ खेल की बारीकियों और उपयोगिता को खिलाड़ियों के समक्ष रखा गया। आज के इस आयोजन के संचालक के रूप में एवेंजर्स क्रिकेट क्लब के देव ने अपना योगदान दिया।

एक नजर में

रविवार की रात को हांगझोउ रवाना होंगी भारतीय फुटबॉल टीमें

नईदिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीमें एशियाई खेलों के लिए रविवार रात को हांगझोउ के लिए रवाना होंगी। एशियाई खेलों के लिए भारतीय दल के प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों टीमों को टिकट जारी कर दिए गए हैं। एशियाई खेल 23 सितंबर से शुरू होंगे। बाजवा ने शनिवार को कहा कि दोनों टीमें कल रात हांगझोउ के लिए रवाना होंगी। दोनों टीमों को शनिवार की शाम को टिकट जारी कर दिए गए हैं। एक टीम कैथे पैसिफिक से जबकि दूसरी सिंगापुर एयरलाइंस से रवाना होगी।

अभिमन्यु यूडब्ल्यूडब्ल्यू विश्व चैम्पियनशिप में हारे

बेलग्रेड। यूनाइटेड विश्व कुश्ती (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) विश्व चैंपियनशिप के शुरुआती दिन भारतीय पहलवान अभिमन्यु को 70 किग्रा में लगातार दो जीत के बाद क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। प्रतियोगिता के पहले दिन अभिमन्यु के अलावा चुनौती पेश करने वाले तीन अन्य भारतीय आकाश दहिया (61 किग्रा), संदीप मान (86 किग्रा) और सुमित (125 किग्रा) दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ सके। इन तीनों पहलवानों का सफर टूर्नामेंट में खत्म हो गया जबकि अभिमन्यु रेपेचेज दौर में जगह बनाने के लिए अमेरिका के जेन एलन रदरफोर्ड के फाइनल में पहुंचने की दुआ करेंगे।

पदक जीतने से ज्यादा कोशिश मायने रखती है: पीटी उषा

नईदिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने चीन के हांगझोउ में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में भाग लेने वाले देश के खिलाड़ियों से शनिवार को कहा कि पदक जीतने से ज्यादा प्रयास मायने रखता है। उषा ने 'एक्स' पर एक वीडियो संदेश में कहा कि एशियाई खेलों के लिए हमारे दल के सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं और ढेर सारा आशीर्वाद। हमेशा हमारी नैतिकता और मूल्यों को बनाए रखें और अपना सर्वश्रेष्ठ दें। उन्होंने कहा कि याद रखें, केवल पदक ही नहीं बल्कि प्रयास भी मायने रखता है। चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों में भारत के 655 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे जबकि उनके साथ 260 कोच और सहायक स्टाफ जाएगा।

सायना नेहवाल का निर्विरोध चुना जाना तय

हांगझोउ (चीन)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सायना नेहवाल का आगामी एशियाई खेलों के पहले एथलीट समिति चुनाव में दक्षिण एशिया क्षेत्र से निर्विरोध चुना जाना तय है। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) पहली बार एथलीट समिति के 10 सदस्यों को चुनने के लिए एथलीटों के बीच मतदान करा रही है। इसमें लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता सायना का चुना तय है। ओसीए से जारी बयान के मुताबिक, '' खिलाड़ी एथलीट समिति के 10 सदस्यों के लिए मतदान करेंगे। ये 10 सदस्य ओसीए के पांच क्षेत्रों (पश्चिम एशिया, मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और पूर्वी एशिया) में से प्रत्येक से एक महिला और एक पुरुष होगा।

हांगझोउ एशियाई खेल गांव का उद्घाटन

हांगझोउ (चीन)। हांगझोउ एशियाई खेल गांव का शनिवार को यहां उद्घाटन किया गया जहां एशिया ओलंपिक परिषद (ओसीए) के कार्यवाहक महानिदेशक विनोद कुमार तिवारी ने इसे 'सुंदर और उत्कृष्ट' बताया। सरकार से जुड़े नेताओं और हांगझोउ एशियाई खेल आयोजन समिति के अधिकारियों के सामने तिवारी ने कहा कि वह आठ साल से हांगझोउ का दौरा कर रहे हैं और इस बड़े आयोजन के 19वें सत्र की योजनाओं और तैयारियों से हमेशा प्रभावित रहे हैं। उन्होंने इसकी 'इनोवेटिव' अवधारणा की प्रशंसा की, जिसमें तीन समुदायों (खिलाड़ियों का गांव, मीडिया गांव और तकनीकी अधिकारियों का गांव) के 20,000 लोगों के रहने की सुविधा है। उन्होंने कहा, '' ' 23 सितंबर को 19वें एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह से ठीक एक सप्ताह पहले, मैं देख सकता हूं कि आपके सभी सपने हकीकत बन गए हैं। हम यहां वास्तव में शानदार एशियाई खेल गांव में एक साथ खड़े हैं।''

काशी रूद्राक्ष ने किया पहले यूपी लीग टी-20 खिताब पर कब्जा

कानपुर। कप्तान करन शर्मा (76) की शानदार अर्धशतकीय पारी के अलावा अटल बिहारी राय और बाबी यादव की घातक गेंदबाजी की बदौलत काशी रूद्राक्ष ने मेरठ मेवरिक्स को सात विकेट से हरा कर पहले यूपी टी-20 लीग की ट्राफी अपने नाम कर ली। ग्रीनपार्क स्टेडियम पर मेरठ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये आठ विकेट पर 146 रन बनाये जिसके जवाब में काशी रूद्राक्ष ने तीन विकेट पर 150 रन बना कर खिताब अपने नाम कर लिया। काशी की जीत में करन शर्मा के अलावा अटल बिहारी राय (32 रन पर तीन विकेट) और बाबी यादव (29 रन पर तीन विकेट) का योगदान अहम रहा।

मणिपुरी के वुशू खिलाड़ी, कोच एशियाड टीम से बाहर

इंफाल। मणिपुर के वुशु खिलाड़ियों और कोच को चीन के हांगझू में 23 सितंबर से शुरू होने वाले 19वें एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया है। अधिकारियों ने यहां शनिवार को यह जानकारी दी। मणिपुर सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि मणिपुर के हंजाबम कर्णजीत शर्मा और लीमापोकपम सनातोम्बी चानू, दोनों मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन हैं और पटियाला में प्रशिक्षण ले रहे हैं, ट्रायल के लिए चुने जाने के बावजूद उन्हें भारतीय टीम में अपना नाम नहीं मिला। अधिकारी ने कहा, सबसे वरिष्ठ और अनुभवी कोच होने के बावजूद कोच मायांगलमबम सचिदानंद को लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय टीम से बाहर रखा गया है, जिन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चैंपियन तैयार किए हैं।

शुभंकर का बीएमडब्ल्यू पीजीए चैम्पियनशिप में कट पाने के लिए संघर्ष जारी

वेंटवर्थ (ब्रिटेन)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा बीएमडब्ल्यू पीजीए चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में 17 होल के खेल के बाद तीन अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त 61 वें स्थान पर हैं और कट में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। खराब रोशनी के कारण दूसरे दिन के खेल को रोके जाने तक शुभंकर के एक होल खेल बचा था। उन्होंने पहले दौर में एक ओवर 73 का स्कोर किया था। वह पिछले साल इस प्रतियोगिता में 29 वें पायदान पर रहे थे।

एंडी मरे ने रोते हुए जीत अपनी जीत दादी को समर्पित की

मैनचेस्टर। तीन बार के ग्रैंडस्लैम विजेता एंडी मरे ने डेविस कप फाइनल्स के ग्रुप चरण में ब्रिटेन को स्विट्जरलैंड पर 2-1 की जीत दिलाने के बाद रोते हुए बताया कि वह यहां खेलने के लिए अपनी दादी के अंतिम संस्कार में भी नहीं जा सके। मरे ने लिएंड्रो रिडी को 6-7 (7), 6-4, 6-4 से हराकर ब्रिटेन को जीत से शुरुआत करायी। मैच के बाद मरे ने कहा कि आज का दिन मेरे लिए काफी मुश्किल है। मेरी दादी का आज अंतिम संस्कार है। मैं वहां नहीं जा सका लेकिन दादी यह जीत तुम्हारे लिये। मरे फिर वापस अपनी बेंच पर लौटकर तौलिये में मुंह छिपाकर रोने लगे। उन्होंने बाद में बताया कि जब उन्होंने अपने पिता से बात की कि उन्हें खेलना चाहिए या नहीं तो, ''उन्होंने कहा कि वह (दादी) तुम्हें खेलते हुए देखना चाहती थी और सुनिश्चित करना कि तुम इस मैच में जीत जाओ। मैंने ऐसा ही किया। ब्रिटेन ने आस्ट्रेलिया पर 2-1 की जीत से शुरुआत की थी जिससे टीम फाइनल 8 में पहुंच गयी है।

चैंपियन झारखंड सबजूनियर बालिका फुटबॉल टीम का हुआ शानदार स्वागत

रांची,16 सितंबर

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन द्वारा अमृतसर (पंजाब) में आयोजित राष्ट्रीय सबजूनियर बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता टियर-1 की विजेता झारखंड टीम का घर वापसी पर शानदार स्वागत किया गया। झारखंड ने पश्चिम बंगाल को हरा कर इस खिताब को जीता है।

रांची रेलवे स्टेशन पर स्वागत के बाद खेल निदेशालय में इस उपलब्धि पर खेल निदेशक सुशांत गौरव ने सभी विजेता खिलाड़ियों को एक-एक फुटबॉल देकर एवं माला पहना कर टीम के सभी सदस्यों का स्वागत किया और बुके देकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। निदेशक सुशांत गौरव ने कहा कि राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों को और भी अच्छे से अच्छे प्रदर्शन करने के लिए जो भी सुविधा की आवश्यकता होगी उसे खेल विभाग पूरा करेगा।

उपनिदेशक खेल श्री राज किशोर खाखा, जिला खेल पदाधिकारी रांची, श्री शुवेंद्र सिंह समेत खेल विभाग के विकास पाठक, विशेष शाखा पदाधिकारी, झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन सेक्रेटरी रब्बानी जी समेत जिला खेल कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित थे। ज्ञातव्य हो झारखंड टीम में अधिकतम खिलाड़ी पर्यटन कला संस्कृति खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड, रांची के अधीनस्थ आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षणरत है। जिसमें संत पैट्रिक आवासीय बालिका ट्रेनिंग सेंटर, गुमला की हैं जिसमें वीणा कुमारी, दीपिका कुमारी, सुनैना टुडू, गौरी सिंह ,सुरेखा कुमारी शामिल हैं। हजारीबाग आवासीय बालिका फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर की पूर्णिमा कुमारी, अनुष्का कुमारी, रिमा कुमारी, प्रीति कुमारी, दुमका आवासीय बालिका फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर की रंजिता हांसदा, मेरी हांसदा, चक्रधर पुर बालिका फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर की भारती कुमारी, सरस्वती कुमारी, आयुषी कुमारी, आईसा कच्छप शामिल हैं।

डेविस कप: मुकुंद ने हार मानी, सुमित ने किया हिसाब बराबर

लखनऊ, 16 सितंबर

उमस भरी गर्मी से परेशान शशिकुमार मुकुंद ने शनिवार को यहां डेविस कप विश्व ग्रुप क्वमुकाबले में मोरक्को के यासीन डिलिमी के खिलाफ मैराथन एकल मुकाबले में हार कबूल कर ली मगर बाद में देश में शीर्ष वरीय सुमित नागल ने प्रतिद्वंदी एडम माउंडिर को सीधे सेटों में हरा कर मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

विजयंतखंड मिनी स्टेडियम के हार्ड कोर्ट पर रविवार को रोहन बोपन्ना और युकी भांबरी मोरक्को के इलियट बेंचेट्रिट और यूनुस लालामी लारौसी की जोड़ी से युगल मैच खेलेंगे। इसके अलावा दो रिवर्स सिंगल्स मैच भी खेले जायेंगे।बोपन्ना के डेविस कप करियर का यह आखिरी मुकाबला होगा।

अपना पहला डेविस कप मैच खेल रहे मुकुंद को 557वें नंबर के खिलाड़ी डिलिमी से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। करीब तीन घंटे आठ मिनट चले मैच के बाद उमस भरी गर्मी के बीच ऐंठन उन्हें परेशान करने लगी जिसका भरपूर फायदा उठाते हुये मोरक्को के खिलाड़ी उन पर हावी हो गया और तीसरे सेट के दौरान वह रिटायर हो गये। मुकुंद जब वह तीसरे सेट में 1-2 से पिछड़ रहे थे तो उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया था। इससे पहले उन्होने पहला सेट 7-6 से जीता मगर दूसरा 5-7 से हार गये।

मुकुंद ने अपने अभियान की शुरुआत घबराहट के साथ की, और पांचवें गेम में परेशानी की स्थिति में थे, लेकिन फोरहैंड विनर के साथ जोरदार वापसी करते हुए 30 के स्कोर पर पहुंच गए। भारतीय ने 26-शॉट की रैली को बरकरार रखा, लेकिन डिलीमी को नौवां शॉट गंवाना पड़ा। मैच टाईब्रेकर तक खिंच गया जहां मोरक्को की अप्रत्याशित गलतियों का फायदा उठाते हुए मुकुंद ने डिलीमी को 4-1 से हरा दिया। अंततः डिलीमी ने पहला सेट प्वाइंट बचाने के बाद लंबे समय तक फोरहैंड मारकर सेट गंवा दिया। डिलिमी ने दूसरे सेट की

खराब शुरुआत की और पहले ही गेम में अपनी पहली सर्विस गंवा दी। जल्द ही मुकुंद मोरक्को पर 3-1 से आगे हो गए, लेकिन 4-1 की बढ़त बढ़ाने का मौका चूक गए जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी ने पांचवें गेम में दो ब्रेक प्वाइंट बचाए। आठवें गेम से मुकुंद दर्द से कराहने लगे और उन्होंने अपनी पहली सर्विस गंवा दी और जल्द ही सेट 4-4 से बराबरी पर आ गया। डिलिमी ने 12वें गेम में सेट अपने नाम किया।

मुकुंद के हार मानने के बाद 0-1 से पिछड रहे भारत को 156वें नंबर के खिलाड़ी सुमित नागल ने मोरक्को के एडम माउंडिर 6-3,6-3 से हरा कर बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया। नागर के खिलाफ माउंडिर ने कुछ मौकों पर संघर्ष किया मगर घरेलू दर्शकों की हौसलाफजाई और खुद का अनुभव मोरक्कों के प्रतिद्वंदी पर भारी पड़ा। नागल ने पहले सेट के पांचवें गेम में माउंडिर की सर्विस तोड़ी लेकिन इसके तुरंत बाद वह अपनी सर्विस भी गंवा बैठे। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि इसके बाद दो बार मोरक्को के खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर पहला सेट अपने नाम किया।

मिशन हांगझोउ

भारत हांगझोउ में आगामी एशियाई खेलों में 655 खिलाड़ियों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजेगा और देश की निगाहें 39 स्पर्धाओं में शीर्ष स्थान हासिल करने पर लगी होंगी जिसमें व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाएं शामिल हैं। 'अब की बार, सौ पार' (इस बार 100 पदक पार करना) 'कैचलाइन' रही है जिससे प्रशंसकों और खेल प्रतिष्ठानों की काफी उम्मीदें लगी होंगी। जकार्ता और पालेमबांग में पिछले चरण में देश ने 70 पदक जीते थे जिससे देश की निगाहें इस आंकड़े को पार करने पर लगी होंगी।

इस बार, 100 के पार, ये हैं हमारे पदक दावेदार

एथलेटिक्स

पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा

नीरज चोपड़ा : ओलंपिक और विश्व चैम्पियन नीरज (25 वर्ष) एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक के लिए सर्वश्रेष्ठ दावेदार हैं। महान एथलीट का दर्जा हासिल करने के बाद नीरज के लिए 2018 में जीते गए स्वर्ण पदक का बचाव करना आसान हो सकता है। पाकिस्तान के विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता अरशद नदीम हांगझोउ में उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी होंगे जिन्होंने 2018 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था।

किशोर जेना : पिछले महीने अपनी पहली विश्व चैम्पियनशिप में 84.77 मीटर से अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहने वाले 28 वर्षीय जेना भी पदक के दावेदार हैं। इस सत्र में एशियाई खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ थ्रो के मामले में वह तीसरे स्थान पर हैं।

पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा

तेजिंदरपाल सिंह तूर: वह 2018 में जीते स्वर्ण पदक का बचाव करने के प्रबल दावेदार हैं। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में यह 28 वर्षीय एकमात्र भारतीय एशियाई रिकॉर्ड धारी है। पिछले कुछ समय में लगातार चोटिल होना उनकी मुख्य समस्या है। पंजाब के इस एथलीट ने जून में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैम्पियनशिप में 21.77 मीटर की दूरी से स्वर्ण पदक जीतकर अपना ही एशियाई रिकॉर्ड सुधारा था।

पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा

मुरली श्रीशंकर : विश्व चैम्पियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद श्रीशंकर का लक्ष्य खुद को सुधारना होगा। उनका व्यक्तिगत और सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.41 मीटर का है, जिससे वह दुनिया में चौथे स्थान पर और एशियाई खिलाड़ियों में हमवतन जेस्विन एल्ड्रिन के बाद दूसरे स्थान पर हैं। एल्ड्रिन के अलावा चीनी ताइपे के एशियाई चैम्पियन लिन यू तांग और चीन के वांग जियानान उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी होंगे।

जेस्विन एल्ड्रिन : विश्व चैम्पियनशिप से पहले वह सत्र की शुरुआत में 8.41 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ सत्र में शीर्ष पर चल रहे थे। लेकिन पूरे सत्र में उनका प्रदर्शन अनिरंतर रहा और फिटनेस की समस्या भी उन्हें परेशान करती रही जिसके कारण उन्होंने एशियाई चैम्पियनशिप से नाम वापस ले लिया। वह एशियाई खिलाड़ियों में अब भी सत्र के शीर्ष और विश्व में तीसरे स्थान पर काबिज हैं।

पुरुषों की त्रिकूद स्पर्धा

प्रवीण चित्रावेल : यह 22 वर्षीय एथलीट अपने 17.37 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से एशिया में सत्र में शीर्ष पर और दुनिया में छठे नंबर पर हैं जिससे वह पदक के दावेदार हैं। लेकिन वह पिछली तीन प्रतियोगिताओं में 17 मीटर की कूद तक नहीं पहुंच पाए हैं। अगस्त में हुई विश्व चैंपियनशिप में वह क्वालिफिकेशन राउंड में 16.38 मीटर की निराशाजनक छलांग के साथ फाइनल में जगह बनाने में असफल रहे थे।

पुरुषों की 1500 मीटर स्पर्धा

अजय कुमार सरोज : वह मौजूदा एशियाई चैम्पियन और इस सत्र में महाद्वीप में दूसरा सर्वश्रेष्ठ समय निकलाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अगस्त में विश्व चैम्पिनशिप में तीन मिनट 38.24 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकाला था।

पुरुषों की 3000 मी स्टीपलचेस स्पर्धा

अविनाश साबले : साबले के पदक का पक्का दावेदार माना जा सकता है। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता साबले के नाम आठ मिनट 11.20 सेकेंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। सत्र में उनका सर्वश्रेष्ठ समय 8:11.63 है जिससे वह एशिया में जापान के मिउरा रयुजी (सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8:09.91) के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

पुरुषों की 4400 मी रिले स्पर्धा

अगस्त में विश्व चैम्पियनशिप के क्वालिफिकेशन राउंड में दो मिनट 59.05 सेकेंड के समय सेएशियाई रिकॉर्ड समय निकालन के बाद भारत पुरुषों की 4400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक का दावेदार है। भारतीय चौकड़ी का यह समय इस सत्र में विश्व का आठवां सर्वश्रेष्ठ समय है। हालांकि भारत जुलाई में एशियाई चैम्पियनशिप में 3:01.80 के समय के साथ श्रीलंका के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा

ज्योति याराजी : वह 100 मीटर बाधा दौड़ में देश की पहली एशियाई चैम्पियन हैं जिससे वह भारतीय महिलाओं में पदक की पक्की दावेदार हैं। उन्होंने जुलाई में 13.09 सेकेंड के समय के साथ एशियाई चैम्पियनशिप का स्वर्ण पदक जीता। वह राष्ट्रीय रिकॉर्ड (12.78 सेकेंड) से इस सत्र में एशिया की दूसरे नंबर की एथलीट हैं। इस 24 साल की एथलीट से ऊपर चीन के वू यान्नी हैं जिनका सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय 12.76 सेकेंड का है।

मिश्रित 4400 मीटर रिले स्पर्धा

एशियाई खेल 2018 की स्वर्ण विजेता टीम की बदौलत भारत फिर खिताब का दावेदार है। टीम ने जुलाई में एशियाई चैम्पियनशिप में तीन मिनट 14.70 सेकेंड के समय के जीत हासिल की जो इस सत्र में महाद्वीप का सर्वश्रेष्ठ समय है।

महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा

शैली सिंह : जुलाई में एशियाई चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता 19 वर्षीय एथलीट थोड़ा अनिरंतर रही हैं। अप्रैल में जापान में एक प्रतियोगिता में 6.76 मीटर और मई में 6.65 मीटर की सर्वश्रेष्ठ कूछ लाने के बाद से वह सर्वश्रेष्ठ नहीं दिखा सकी हैं।

महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धाः

पारुल चौधरी : सत्र के सर्वश्रेष्ठ और राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय 9:15.31 से वह एशिया में दूसरे नंबर पर हैं जिससे वह आसानी से पदक जीत सकती हैं। उन्हें सबसे बड़ी चुनौती बहरीन की विन्फ्रेड मुटिले यावी से मिलेगी जो 8:54.29 के समय से स्वर्ण पदक की दावेदार हैं।

महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा

विथ्या रामराज : वह हाल के 55.43 सेकेंड के प्रयास के साथ इस सत्र में एशिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी हैं। यह समय महान एथलीट पीटी ऊषा के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से एक सेकेंड का सौवां हिस्सा कम है। सत्र के सर्वश्रेष्ठ 'टाइम चार्ट' में वह एशिया में दूसरे नंबर पर हैं और पदक की दावेदार हैं।

महिलाओं की 4400 मीटर रिले स्पर्धा

यह मजबूत टीम नहीं है लेकिन भारत फिर भी इस स्पर्धा में पदक जीत सकता है। भारतीय टीम एशिया में इस स्पर्धा में नंबर एक स्थान पर है। टीम ने जुलाई में श्रीलंका में एक प्रतियोगिता में 3:30.41 सेकेंड का समय निकाला था।

हेप्टाथलॉन स्पर्धा :

स्वप्ना बर्मन : वह पदक की बड़ी दावेदार हैं ओर अपने खिताब का बचाव करेगी।

तीरंदाजी

कम्पाउंड टीम स्पर्धा :

अगस्त में विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक के बाद भारतीय कम्पाउंड तीरंदाजी टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है। मौजूदा विश्व चैम्पियन ओजस देवताले (पुरुष) और अदिति स्वामी (महिला) की बदौलत भारत टीम और मिश्रित युगल स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंचने का प्रबल दावेदार होगा।

महिला कम्पाउंड टीम :

ज्योति सुरेखा वेन्नाम : चार साल से 'लिम्का बुक' तैराकी रिकॉर्ड धारक और दुनिया की चौथे नंबर की महिला कम्पाउंड तीरंदाज की मौजूदगी से भारत एशियाड में अपने पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक का सपना संजाये है। पिछले साल वापसी के बाद से यह 27 साल की खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने विश्व कप और विश्व चैम्पियनशिप में छह स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक जीते हैं।

अदिति स्वामी : महाराष्ट्र के शिक्षक की बेटी अदिति इस साल शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। पहली बार जुलाई में युवा (अंडर-18) विश्व खिताब जीतने के एक महीने बाद इस 17 वर्षीय ने सीनियर स्तर पर भी सफलता हासिल की।

पुरुषों की कम्पाउंड स्पर्धाः

अभिषेक वर्मा : एशियाड में एक टीम स्वर्ण और दो रजत पदक जीतने वाला यह 34 वर्षीय तीरंदाज अपने अनुभव की बदौलत पुरुष कम्पाउंड वर्ग में दूसरा टीम स्वर्ण जीतने की कोशिश करेगा।

ओजस देवताले और प्रथमेश जावकर : महाराष्ट्र के दो युवा कम्पाउंड तीरंदाज इस साल शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। 21 वर्षीय देवताले बर्लिन में विश्व चैम्पियन बने। 20 वर्षीय जावकर शानदार फॉर्म में हैं जिन्होंने दुनिया के नंबर एक माइक श्लोसेर को चार महीने में दो बार हराया है।

पुरुषों की रिकर्व स्पर्धाः

धीरज बोम्मदेवरा : विश्व कप फाइनल में कोरिया के दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता किम वू जिन को हराने वाले सेना के जवान धीरज ने रिकर्व में आशा की नयी किरण दी है। वह विश्व कप में पदक से चूक गए। साल के शुरु में उन्होंने अंताल्या चरण में कांस्य पदक जीतकर भारत के व्यक्तिगत विश्व कप पदक का सूखा खत्म किया।

मुक्केबाजी

महिला वर्ग

निकहत जरीन : तेलंगाना की मुक्केबाज भारत के लिए पदक की प्रबल दावेदार है। पिछले दो वर्ष से निकहत का फ्लाईवेट (51 किग्रा)में शानदार सफर जारी है। दो बार विश्व चैम्पियनशिप जीतने के बाद दो स्ट्रैंड्जा मेमोरियल खिताब और फिर राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक जीता। वह एक और स्वर्ण पदक जीतने के लिए बेताब होंगी। एशियाड ओलंपिक क्वालीफायर भी हैं तो वह पोडियम स्थान हासिल करने के लिए उत्साहित होंगी।

लवलीना बोरगोहेन : टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता अब भी 69 किग्रा से बढ़ाये गये वजन की पेचीदगियां सीख कर रही हैं। नये 75 किग्रा में एशियाई और विश्व चैम्पियनशिप जीतने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। असम की यह मुक्केबाज एशियाड में अगर वह चीन की मुक्केबाजों को संभाल लेती हैं तो वह आसानी से फाइनल में पहुंचकर पदक जीत सकती हैं।

पुरुष वर्ग

दीपक भोरिया : हिसार के 51 किग्रा में मुक्केबाजी करने वाले दीपक खेल के कुछ महान खिलाड़ियों को हरा चुके हैं। उन्होंने मई में विश्व चैम्पियनशिप में तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और पूर्व विश्व चैम्पियन साकेन बिबोसिनोव को हराकर उलटफेर किया। वह पहले एशियाड में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे।

बैडमिंटन

पुरुष एकल

एचएस प्रणयः स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पार पाने के बाद एचएस प्रणय ने जब कोर्ट पर वापसी की तो उन्होंने पहले से बेहतर प्रदर्शन किया जिसके दम पर पिछले साल दिसंबर में वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल हो गए। पिछले 12 महीनों में उन्होंने निरंतरता बनाए रखी। उन्होंने मई में मलेशिया मास्टर्स का खिताब जीता और फिर विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया जिसके दम पर वह अपने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर पहुंचने में सफल रहे।

पुरुष युगल

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टीः सात्विक और चिराग ने इस साल अभी तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वह एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी। पिछले साल उन्होंने इंडियन ओपन सुपर 500 और राष्ट्रमंडल खेलों में खिताब जीता था और फिर बाद में तोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया था।

पुरुष टीम चैंपियनशिप

भारत ने पुरुष टीम स्पर्धाओं में अब तक तीन कांस्य पदक जीते हैं लेकिन एशियाई खेलों में वह थॉमस कप की ऐतिहासिक जीत से बड़े मनोबल के साथ उतरेगा। भारतीय टीम में वही खिलाड़ी शामिल है जिन्होंने थॉमस कप जीता था। इनमें प्रणय, किदांबी श्रीकांत, लक्ष्य सेन तथा सात्विक और चिराग की जोड़ी शामिल है। इन खिलाड़ियों की फॉर्म को देखते हुए भारत स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

कबड्डी

भारतीय कबड्डी टीम भी पदक के दावेदारों में शामिल हैं। भारतीय पुरुष व महिला कबड्डी दोनों टीमों से पदक की पूरी उम्मीद की जा सकती है। हालांकि पिछले एशियाड में बहुत बड़ा उलटफेर हुआ था। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम सेमीफाइनल में ईरान से हार गई थी और उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। लीग मैच में उसे दक्षिण कोरिया से भी हार का सामना करना पड़ा था। पुरुष वर्ग में पिछले एशियाड में ईरान चैंपियन बना था जबकि दक्षिण कोरिया उपविजेता। महिला वर्ग में भारतीय महिला कबड्डी टीम को ईरान के खिलाफ फाइनल मुकाबले में 24-27 से मिली हार के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। एशियाई खेलों में ईरान की महिला टीम को पहली बार कबड्डी में स्वर्ण पदक हासिल हुआ है, वहीं भारतीय टीम अपने स्वर्ण पदक की हैट्रिक नहीं लगा पाई। यह तो है कि प्रो कबड्डी लीग के शुरू होने के बाद विदेशी कबड्डी प्लेयरों का स्तर काफी ऊंचा हुआ है और उससे भारतीय टीम को कड़ी टक्कर मिलने लगी है पर इस बार भारतीय टीम भी पूरे दमखम में है और पिछली हार का बदला चुकता कर चैंपियन बनने का पूरा प्रयास करेगी और पुराना गौरव एक बार फिर से लौटेगा।

क्रिकेट

पुरुष और महिला टीम

भारत की पुरुष क्रिकेट टीम रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई में स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी क्योंकि टीम में अधिकतर ऐसे खिलाड़ी हैं जो आईपीएल में खेलते रहे हैं। एशियाई खेलों में क्रिकेट टी20 प्रारूप में ही खेला जाएगा। महिला टीम भी खिताब की प्रबल दावेदार है लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ हाल के खराब प्रदर्शन और कप्तान हरमनप्रीत कौर के पहले दो मैचों से बाहर रहने के कारण टीम की योजनाओं को नुकसान पहुंचा है। इसके बावजूद टीम को स्वर्ण पदक का दावेदार माना जा रहा है।

हॉकी

पुरुषः टोक्यो ओलंपिक खेलों की कांस्य पदक विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम अभी विश्व में तीसरे नंबर पर है तथा उसकी फॉर्म और फिटनेस को देखते हुए अगर हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम स्वर्ण पदक जीतने में नाकाम रहती है तो यह उसके लिए करारा झटका होगा।

महिलाः भारतीय महिला हॉकी टीम पदक जीतने की प्रबल दावेदार है। सविता पूनिया की अगुवाई वाली टीम विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है लेकिन एशियाई देशों में वह शीर्ष पर काबिज है। भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में केवल एक बार 1982 में स्वर्ण पदक जीत पाई थी।

शतरंज

64 खानों का यह खेल 13 साल बाद एशियाई खेलों में लौट रहा है। भारत के लिए इसकी वापसी का यह सबसे बेहतर समय है क्योंकि आर प्रगनानंदा, डी गुकेश और अर्जुन जैसे युवा खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। पुरुष टीम में ग्रैंडमास्टर डी गुकेश, गुजराती, एरिगैसी, पी हरिकृष्णा और आर प्रगनाननंदा शामिल हैं जबकि महिला टीम में हंपी, हरिका, आर वैशाली, वंतिका अग्रवाल और सविता श्री टीम स्पर्धा में चुनौती पेश करेंगी। ग्रैंड मास्टर विश्वनाथन आनंद ने भी कहा कि एशियाड में इससे बेहतर टीम की उम्मीद आप नहीं कर सकते हैं। दोहा एशियाई खेलों 2006 में शतरंज शामिल था।

कुश्ती

पुरुष- अमन सहरावत (57 किग्रा): अमन ने पिछले दो वर्षों में अपने खेल में काफी प्रगति की है। उन्होंने पिछले साल अंडर 23 विश्व और एशियाई चैंपियनशिप जीती थी। सीनियर सर्किट पर भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है। उन्होंने इस साल एशियाई चैंपियनशिप जीती। वह हमवतन और ओलंपिक के पदक विजेता रवि दहिया को कड़ी चुनौती देंगे।

महिला- अंतिम पंघाल (57 किग्रा): अंतिम पंघाल अपने भार वर्ग में पदक की प्रबल दावेदार हैं। उन्होंने एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप के ट्रायल्स में शानदार प्रदर्शन किया था। वह जूनियर विश्व चैंपियनशिप में लगातार दो खिताब जीतने वाली देश की पहली महिला पहलवान हैं।

टेबुल टेनिस

पुरुष टीमः भारतीय पुरुष टीम में अपना पांचवें और अंतिम एशियाई खेलों में भाग ले रहे शरत कमल, जी साथियान और हरमीत देसाई शामिल हैं। उन्होंने जकार्ता एशियाई खेलों में क्वार्टर फाइनल में जापान की मजबूत टीम को हराकर ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। इस बार वह अपने इस प्रदर्शन में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मिश्रित युगलः शरत कमल और मनिका बत्रा ने जकार्ता में मिश्रित युगल का कांस्य पदक जीतकर सभी को हैरान कर दिया था। बत्रा इस साल साथियान के साथ जोड़ी बनाएगी। ये दोनों पेरिस ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

स्क्वाश

सौरव घोषालः भारत के नंबर एक पुरुष खिलाड़ी घोषाल 2014 के एशियाई खेलों में फाइनल में हार गए थे। इस बार भी वह खिताब के दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। इस भारतीय खिलाड़ी को एकल में दूसरी वरीयता प्राप्त है। उन्हें मलेशिया की इयन यो के अलावा पाकिस्तान, कुवैत और ईरान के खिलाड़ियों से भी कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है।

जोशना चिनप्पाः रिकॉर्ड 19 बार की राष्ट्रीय चैंपियन जोशना इस साल चोटों से जूझती रही। इससे वह विश्व रैंकिंग में 71वें वह स्थान पर खिसक गई। इसके बावजूद महिला एकल में वह भारत की तरफ से पदक की प्रबल दावेदार है।

मिश्रित युगल : दीपिका पल्लीकल और हरिंदरपाल संधूः दीपिका और मिश्रित युगल के उनके साथी हरिंदर पाल को तीन महीने पहले हांगझोउ में एशियाई खेलों की परीक्षण प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिला था जिसमें उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। इस परिणाम के बाद उनसे पदक की उम्मीद बढ़ गई है।

निशानेबाजी

रुद्रांक्ष पाटिल (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल) : इस 19 वर्षीय खिलाड़ी ने 2022 में काहिरा में विश्व चैंपियनशिप ने जीत दर्ज की थी और पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल किया था। अपने इस प्रदर्शन के कारण हुआ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार बन गए हैं।

मनु भाकर (महिला 25 मीटर पिस्टल): टोक्यो ओलंपिक खेलों में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली मनु भाकर स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार है। वह जकार्ता एशियाई खेलों में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी जिसकी भरपाई वह हांगझोउ में करना चाहेगी।

टेनिस

पुरुष युगल– रोहन बोपन्ना और युकी भांबरीः बोपन्ना 43 साल के हो गए हैं लेकिन अभी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। वह हाल में अमेरिकी ओपन के पुरुष युगल के फाइनल में पहुंचे थे। बोपन्ना एशियाई खेलों के पुरुष युगल में अपने खिताब का बचाव करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। पिछली बार उन्होंने दिविज शरण के साथ मिलकर स्वर्ण पदक जीता था। हांगझोउ में उनकी युकी भांबरी के साथ जोड़ी बनाने की संभावना है।

भारोत्तोलन

महिला– मीराबाई चानूः टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मीराबाई चानू एशियाई खेलों में पदक जीतने के लिए बेताब है। वह अभी तक इन खेलों में पदक नहीं जीत पाई हैं और इसलिए इस बार उन्होंने एशियाई खेलों को अपनी प्राथमिकता में सबसे आगे रखा है। उन्हें चीन की होउ झीहुइ और जियांग हुइहुआ से कड़ी चुनौती मिल सकती है।

पांच साल के खिताबी सूखे को खत्म करना चाहेगी भारतीय टीम

एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका से खिताबी भिड़ंत, दोनों टीमें खिलाड़ियों के चोट से परेशान, फाइनल में 13 साल बाद भारत-श्रीलंका का मुकाबला

कोलंबो, 16 सितंबर

रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम रविवार को यहां होने वाले एशिया कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ प्रबल दावेदार होगी जिसमें वह पांच साल से कई देशों के टूर्नामेंट में ट्राफी नहीं जीतने के सूखे को खत्म करने के लिए बेताब होगी।

अक्षर पटेल भारतीय टीम का अहम हिस्सा हैं पर चोट के कारण वे बाहर हो चुके हैं। टीम को अपने मुख्य स्पिनर महीश तीक्षणा की सेवायें नहीं मिल पायेंगी क्योंकि वह हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गये हैं। भारतीय टीम ने पिछले पांच वर्षों में कोई खिताब नहीं जीता है जिससे रविवार को उसके लिए अपनी कैबिनेट में एक और ट्राफी शामिल करने का अच्छा मौका होगा।

2018 के बाद कोई खिताब नहीं पाया है भारत

विश्व कप से पहले खिताबी जीत उस टीम के लिए मनोबल बढ़ाने के लिए आदर्श होगी जो सभी विभागों में पूरी तरह से खरी नहीं उतरी है। लेकिन कुछ महीने पहले से तुलना की जाये तो टीम तब से कहीं अधिक मजबूत दिख रही है। भारत ने क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में अंतिम खिताब 2018 में जीता था जब रोहित की टीम ने दुबई में एशिया कप में बांग्लादेश को तीन विकेट से हराया था। इस जीत के बाद से भारत महत्वपूर्ण मैचों और मौकों पर महारत हासिल करने में नाकाम रहा जो काफी हैरानी भरा भी है।

इन टूर्नामेंट में नहीं मिल पाई है खिताबी सफलता

भारत 2019 वनडे विश्व कप और 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा। 2019 में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उसे न्यूजीलैंड से और 2023 डब्ल्यूटीसी फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार मिली। पिछले साल के एशिया कप में भी टीम अपनी मौजूदगी दर्ज कराने में विफल रही जिसमें श्रीलंका ने खिताब जीता जो टी20 प्रारूप में खेला गया था।

टीम इंडिया को खिताब की उम्मीद

भारत अपनी क्रिकेट परंपरा पर गर्व करता है जिससे यह निश्चित रूप से काफी खराब रिकॉर्ड है और अब टीम मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित के साथ कुछ नया चलन स्थापित करना चाहेगी। भारतीय टीम को विश्वास है कि उसके पास रविवार को एक और ट्राफी अपनी कैबिनेट में शामिल करने का शानदार मौका है।

आराम वाले खिलाड़ी लौटेंगे

भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ शुक्रवार को सुपर फोर मैच में अपने पांच मुख्य खिलाड़ियों को आराम दिया था जो अब फाइनल में वापसी करेंगे। टीम को इस मैच में छह रन की हार मिली थी। विराट कोहली और हार्दिक पंड्या की फाइनल में वापसी से बल्लेबाजी इकाई निश्चित रूप से मजबूत होगी जो बांग्लादेश के स्पिनरों के खिलाफ जूझती दिखी थी। सलामी बल्लेबाज शुभमन सिंह ने शीर्ष स्तरीय शतकीय पारी खेली लेकिन बाकी अन्य बल्लेबाज मध्य के ओवरों में स्ट्राइक अच्छी तरह रोटेट नहीं कर सके जिससे निचले क्रम के सामने बड़ा लक्ष्य बचा था।

इस मैच से यह भी साफ दिखा कि भारत को अपनी इस

समस्या पर भी काम करना होगा कि शुरुआती विकेट झटकने के बावजूद वह प्रतिद्वंद्वी टीम को समेटने में असफल रहा। भारत ने बांग्लादेश के 59 रन पर चार विकेट झटक लिये थे लेकिन उसके गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में काफी रन दे दिये जिससे प्रतिद्वंद्वी टीम 265 रन का अच्छा स्कोर खड़ा करने में सफल रही। लेकिन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की वापसी से यह समस्या सुलझ जायेगी जब ये कल के मैच में वापसी करेंगे।

विश्व कप से पहले भारत के लिए यह जीत जरूरी

विश्व कप से पहले भारत को अपने सभी विभागों की तैयारी देखने के लिए अभ्यास मैचों के अलावा चार और वनडे (एशिया कप फाइनल और आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच) खेलने हैं। एशिया कप में खिताबी जीत अगले महीने शुरु होने वाले विश्व कप से पहले टीम का मनोबल बढ़ाने में अहम होगी क्योंकि टीम इसमें 10 साल से चले आ रहे आईसीसी ट्राफी के सूखे को खत्म करना चाहेगी। वहीं श्रीलंकाई टीम भी काफी आत्मविश्वास से भरी है क्योंकि घरेलू टीम वनडे लगातार 15 वनडे जीतकर शानदार लय में चल रही है।

टीमें इस प्रकार हैं:

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या (उप कप्तान), रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर (चोटिल अक्षर पटेल के लिए कवर)। श्रीलंकाः दासुन शनाका (कप्तान), पाथुम निसांका, दिमुथ करुणारत्ने, कुसल जेनिथ परेरा, कुसल मेंडिस (उप कप्तान), चरिथ असालंका, धनंजय डिसिल्वा, सदीरा समरविक्रमा, महीश तीक्षणा, दुनिथ वेलालागे, माथीशा पाथिराना, कासुन रजिता, दुशान हेमंथा, बिनुरा फर्नांडो, प्रमोद मदुशन।

भारत और श्रीलंका की टीमें वनडे में अब तक 166 बार आमने-सामने हो चुकी हैं। इस दौरान भारत का पलड़ा भारी रहा है। उसने 97 मैच जीते हैं। वहीं, श्रीलंका को 57 मुकाबलों में जीत मिली है। 11 मैचों में नतीजा सामने नहीं आया है। एक मैच टाई रहा है।

भारत और श्रीलंका की टीम एशिया कप के फाइनल में 13 साल बाद आमने-सामने होंगी। दोनों के बीच पिछली बार फाइनल मैच 2010 में खेला गया था। तब टीम इंडिया ने महेंद्र सिंह धौनी की कप्तानी में श्रीलंका को 81 रन से हराकर खिताब पर कब्जा किया था। एशिया कप के इतिहास में दोनों टीमों के बीच यह नौवां फाइनल होगा। भारत ने पांच बार फाइनल जीतने में सफल रहा। वहीं, लंकाई टीम ने तीन बार खिताब अपने नाम किया।

एक नजर में

देवांग गांधी दिल्ली रणजी टीम के मुख्य कोच नियुक्त

नईदिल्ली। पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता देवांग गांधी को आगामी घरेलू सत्र के लिए दिल्ली की सीनियर क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने शनिवार को यह घोषणा की। भारत की तरफ से 1999 में तीन टेस्ट मैच खेलने वाले गांधी 2016-17 से लेकर 2020-21 तक सीनियर राष्ट्रीय चयनकर्ता रहे थे। इसके अलावा वी अरविंद को गेंदबाजी कोच, बंटू सिंह को बल्लेबाजी कोच और हाल में संन्यास लेने वाले पुनीत बिष्ट को सीनियर टीम का नया क्षेत्ररक्षण कोच नियुक्त किया गया है। ध्रुव शोरे और नीतीश राणा जैसे खिलाड़ी इस सत्र में दिल्ली की तरफ से नहीं खेलेंगे और ऐसे में गांधी के लिए युवा टीम को लेकर आगे बढ़ना कड़ी चुनौती होगी।

बांग्लादेश की टीम में तमीम और महमूदुल्लाह की वापसी

ढाका। अनुभवी सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल और हरफनमौला महमूदुल्लाह की न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों के लिए बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। महमूदुल्लाह को खराब फॉर्म के कारण मार्च में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद टीम से बाहर कर दिया गया था जबकि तमीम पीठ की चोट से परेशान थे। शाकिब की गैरमौजूदगी में लिटन दास टीम की कमान संभालेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैच 21, 23 और 26 सितंबर को मीरपुर में होंगे। बांग्लादेश टीम (पहले और दूसरे वनडे के लिए): लिटन दास (कप्तान), तमीम इकबाल, सौम्या सरकार, अनामुल हक, तौहीद हृदय, महमूदुल्लाह, नुरुल हसन, महेदी हसन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तनजीद हसन तमीम, जाकिर हसन, रिशाद हुसैन और सैयद खालिद अहमद।

विकास कात्याल भारतीय टीम के मैनेजर नियुक्त

नईदिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के पूर्व निदेशक विकास कात्याल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सीरीज के लिए भारतीय टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। कात्याल को इन दोनों देशों के बीच विश्वकप के तुरंत बाद होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भी यह भूमिका सौंपे जाने की उम्मीद है। कात्याल 2022 में वेस्टइंडीज के दौरे पर गई भारतीय टीम के प्रशासनिक मैनेजर भी थे।

बाबर को अब पूरा समर्थन चाहिएः हफीज

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और क्रिकेट बोर्ड की तकनीकी समिति के सदस्य मोहम्मद हफीज ने अगले महीने भारत में होने वाले विश्व कप से पहले कप्तान बाबर आजम का समर्थन करने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने की बात कही। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए हफीज ने बाबर की कप्तानी की आलोचना का जिक्र करते हुए कहा कि एशिया कप में पाकिस्तान की हार के लिए सिर्फ उन्हें ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। हफीज ने कहा, ''एशिया कप के फाइनल में नहीं पहुंचने के लिए सिर्फ उसे ही दोष देना ठीक नहीं है। हम फाइनल में पहुंचने के लिए सिर्फ कप्तान को ही श्रेय देने के लिए तैयार नहीं रहते हैं तो एशिया कप के फाइनल तक नहीं पहुंचने के लिए सिर्फ उन्हें ही क्यों जिम्मेदार ठहराया जाये। क्रिकेट एक 'टीम गेम' है। उन्होंने कहा कि इस समय देश के क्रिकेट जगत को बाबर और उसकी टीम का समर्थन करने की जरूरत है। हफीज ने कहा, ''ये सभी खिलाड़ी अब काफी समय से बाबर के नेतृत्व में एक दूसरे के साथ खेल रहे हैं इसलिये हमें कुछ कमजोर पहलुओं का ध्यान रखने की जरूरत है। पाकिस्तान विश्व कप में शीर्ष चार दावेदारों में शुमार रहेगा।

इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर स्टीवन डेविस ने लिया संन्यास

नई दिल्ली। 20 साल के करियर के बाद इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर स्टीवन डेविस ने संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। जिसके बाद फैंस के ?बीच हड़कंप मच गया है। डेविस ने 20 साल के कैरियर के दौरान वॉर्सेस्टरशायर, सरे और समरसेट के लिए खेला और उनके देश द्वारा सीमित ओवरों के अंतरराष्ट्रीय मैचों में 13 बार कैप किया गया। 2011 में, इंग्लैंड के ऑस्ट्रेलिया के सफल एशेज दौरे का हिस्सा होने के बाद समलैंगिक के रूप में सामने आने वाले पहले पेशेवर क्रिकेटर बन गए। डेविस ने वॉर्सेस्टरशायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2008-09 में कैरेबियन में टी-20 टीम के हिस्से के रूप में इंग्लैंड को पहचान दिलाई और उसी साल बाद में चैंपियंस ट्रॉफी में वनडे डेब्यू किया। वह अगले सीजन में सरे चले गए, और 2010-11 एशेज के लिए मैट प्रायर के शिष्य थे, हालांकि टेस्ट डेब्यू कभी नहीं हुआ।

विश्व कप से पहले लय में बने रहने के लिए एशिया कप जीतना अहम

कोलंबो। भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि रविवार को श्रीलंका के खिलाफ होने वाले एशिया कप फाइनल में जीत दर्ज करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे टीम अगले महीने शुरु होने वाले विश्व कप से पहले लय में रहेगी। गिल ने कहा कि एशिया कप जीतने से टीम आत्मविश्वास से भरी रहेगी। उन्होंने शुक्रवार को रात बांग्लादेश के खिलाफ सुपर फोर मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''हमारे लिए एशिया कप फाइनल जीतना बहुत अहम है क्योंकि हमें जीत की आदत बनानी होगी। सही समय पर फॉर्म में आना और सही समय पर लय हासिल करना महत्वपूर्ण है। गिल ने कहा, ''जीत की लय जारी रखना अहम है क्योंकि एक या दो मैच गंवाने से दबाव बन सकता है। यहां खिताब जीतने से हमारी लय बनी रहेगी और विश्व कप से पहले हमारा आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा।

रोहित पॉडेल करेंगे एशियाई खेलों में नेपाल की अगुवाई

काठमांडु। बल्लेबाज रोहित पॉडेल को एशियाई खेलों के लिए नेपाल पुरुष क्रिकेट टीम का कप्तान बनाया गया है। लेग स्पिनर संदीप लमिछाने को भी टीम में जगह मिली है। नेपाल ने अंतिम बार अगस्त 2022 में कोई टी20 आई खेला था। उसके बाद से बल्लेबाज ज्ञानेंद्र मल्ला संन्यास ले चुके हैं। वहीं उस टीम से अर्जुन सऊद, पवन सर्राफ़, मोहम्मद आदिल आलम, बासीर अहमद और आरिफ़ शेख़ को 15 सदस्यीय दल में जगह नहीं मिली है। विकेटकीपर आसिफ़ शेख़, कुशल भुर्तेल और दीपेंद्र सिंह ऐरी शीर्ष क्रम की अगुवाई करेंगे, वहीं कुशल मल्ला और बिनोद भंडारी मध्य क्रम की जिम्मेदारी निभाएंगे। 23 सितंबर से एशियाई खेलों की शुरुआत हो रही है। पूरी टीम: रोहित पॉडेल (कप्तान), आसिफ़ शेख़ (विकेटकीपर), कुशल भुर्तेल, दीपेंद्र सिंह ऐरी, कुशल मल्ला, बिनोद भंडारी, संदीप लमिछाने, करन केसी, सोमपाल कामी, गुलशन झा, अबिनाश बोहरा, बिबेक यादव, प्रतीस जीसी, ललित राजबंशी, संदीप जोरा

चोटिल अक्षर एशिया कप फाइनल से बाहर, ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला और विश्व कप में खेलना संदिग्ध

कोलंबो/नईदिल्ली। अक्षर पटेल की बायीं हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों में खिंचाव) की चोट ने भारतीय टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी है क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज से बाहर हो सकते हैं। 'क्वाड्रिसेप्स (जांघ) की चोट को ठीक होने में दो से तीन सप्ताह का समय लगता है। ऐसे में विश्व कप के लिए उनका खेलना संदिग्ध हो सकता है। अक्षर को शुक्रवार को बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम सुपर फोर मैच में कई चोट लग गयी थीं जिसमें भारत को छह रन से हार मिली थी। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, '' बांग्लादेश के खिलाफ शुक्रवार को भारत के सुपर फोर मैच के दौरान बायें क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के कारण अक्षर पटेल श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप फाइनल से बाहर हो गए हैं। पुरुष चयन समिति ने उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया है। यह ऑलराउंडर आज शाम कोलंबो पहुंचा और टीम में जुड़ गया है। गेंदबाजी आल राउंडर वाशिंगटन को बुला लिया गया है जो भारत की एशियाई खेलों की टीम का हिस्सा है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा था कि अक्षर को कई चोट लगी हैं। उनकी हाथ की छोटी ऊंगली चोटिल है और एक थ्रो से गेंद उनके हाथ में लग गयी थी। उन्हें हैमस्ट्रिंग चोट भी है। इसलिये वाशिंगटन को बुलाया गया है। वाशिंगटन ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते हैं, उन्होंने भारत के लिए अंतिम वनडे इस साल जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर खेला था।

हार्दिक के कारण टीम को संतुलन मिलता है : संजय बांगड़

कोलंबो, 16 सितंबर

हार्दिक पंड्या ने पिछले कुछ वर्षों में खुद को अदद ऑलराउंडर साबित किया है और भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि बड़ौदा के इस क्रिकेटर की उपस्थिति से टीम को काफी संतुलन मिलता है और विश्वकप में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। हार्दिक को बांग्लादेश के खिलाफ सुपर फोर मैच में विश्राम दिया गया था लेकिन वह श्रीलंका के खिलाफ रविवार को होने वाले फाइनल में वापसी करेंगे।

बांगड़ ने कहा, '' वह पिछले कुछ वर्षों में काफी परिपक्व हुआ है। पहले फिटनेस के कारण उसे कुछ परेशानियां हुई थी लेकिन आज वह जिस मुकाम पर है वहां पहुंचने के लिए उसने कड़ी मेहनत की। वह अब अपनी जिम्मेदारी बहुत अच्छी तरह से निभा रहा है और भारत की टी20 टीम का कप्तान है। एक ऑलराउंडर होने के कारण वह टीम को काफी संतुलन प्रदान करता है। हार्दिक विश्व कप में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका भी निभाएंगे और बांगड़ का मानना है कि इससे भारतीय गेंदबाजी आक्रमण संपूर्ण नजर आता है। उन्होंने कहा,'' विश्वकप के लिए हमारे पास सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण है।

विश्व कप से पहले भारत के खिलाफ श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया जीत का दावेदारः रैना

मुंबई, 16 सितंबर

पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना है कि विश्व कप से पहले भारत के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहेगा क्योंकि उनकी बल्लेबाजी में लचीलापन है और इस टीम के खिलाड़ियों को भारतीय परिस्थितियों की अच्छी समझ है।

भारत रविवार को एशिया कप फाइनल में मेजबान श्रीलंका से भिड़ेगा। टीम इसके बाद विश्वकप में अपने अभियान को शुरू करने से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में भाग लेगी। इस श्रृंखला का आगाज मोहाली में 22 सितंबर को होगा। इसके बाद इंदौर (24 सितंबर) और राजकोट (27 सितंबर) में मैच खेले जायेंगे। दोनों टीमें आठ अक्टूबर को चेन्नई में विश्व कप में एक-दूसरे का आमना सामना करेंगी। रैना ने 'जियो सिनेमा' से कहा, ''उनके (ऑस्ट्रेलिया) पास बल्लेबाजी क्रम में दायें और बायें हाथ का अच्छा संयोजन है। इंदौर का मैदान बहुत छोटा है, और राजकोट की पिच सपाट है। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया ने मोहाली में काफी खेले हैं और इसलिए मेरा मानना है कि उनके पास जीत दर्ज करने का ज्यादा मौका होगा। हमारे पास बुमराह और सिराज के रूप में नई गेंद के दो शानदार गेंदबाज हैं और इसके अलावा अनुभवी मोहम्मद शमी टीम में है। विकेट लेने के विकल्प के रूप में हमारे पास कुलदीप यादव है।'' बांगड़ ने कहा,'' रविंद्र जडेजा टीम में है। जैसा कि मैंने पहले कहा हार्दिक की उपस्थिति से भारत को कई विकल्प मिल जाते हैं।

रैना ने कहा, '' इन छोटे मैदानों में 340-350 रन के लक्ष्य को भी पीछा करने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी। किसी भी लक्ष्य के बचाव के लिए भारतीय टीम को काफी मजबूत गेंदबाजी इकाई को मैदान में उतारना होगा।''

साल 2011 के विश्व कप विजेता खिलाड़ी ने कहा कि इस श्रृंखला को 3-0 से जीतने या इसी अंतर से हारने का कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन इस टूर्नामेंट से टीमों को आगामी विश्व कप के लिए अपने संयोजन को तैयार करने का मौका मिलेगा। रैना ने उम्मीद जताई की रोहित शर्मा इस श्रृंखला में सबसे ज्यादा रन बनायेंगे जबकि जोश हेजलवुड सबसे सफल गेंदबाज होंगे।

उन्होंने कहा, '' मेरा मानना है कि इस श्रृंखला में रोहित शर्मा सबसे ज्यादा रन बनाएंगे। विकेटों के मामले में जोश हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज होंगे। भारत के लिए मोहम्मद शमी या कुलदीप यादव सबसे सफल गेंदबाज हो सकते है।'' रैना ने कहा कि भारतीय टीम के लिए तेज गेंदबाज शारदुल ठाकुर 'एक्स फैक्टर' (तुरुप का इक्का) साबित हो सकते है। शारदुल के पास जहीर खान की तरह 'नकल' गेंद फेंकने की क्षमता है।

पाकिस्तानी गेंदबाज नसीम के विश्वकप खेलने पर संशय

कोलम्बो। पाकिस्तान को वनडे विश्वकप से पहले एक बड़ा झटका लगा है, उनके तेज गेंदबाज नसीम शाह के विश्व कप से बाहर होने की आशंका है। तेज गेंदबाज नसीम का स्कैन करने पर उनके दाहिने कंधे की चोट का पता चला, जो शुरुआती आशंका से कहीं ज्यादा गंभीर है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यह नहीं बताया है कि नसीम की चोट कितनी गंभीर है। गेंदबाज के दाहिने कंधे के नीचे की मांसपेशियों में चोट लगने के कारण दुबई में उसका स्कैन कराया गया, जो उन्हें सोमवार को भारत के खिलाफ गेंदबाजी करते समय लगी थी। वह अपने ओवर के बीच में मैदान से बाहर थे और बाद में प्रतियोगिता से बाहर हो गए। पाकिस्तान के दूसरे गेंदबाज हारिस रउफ ने भी साइड स्ट्रेन के कारण पांच ओवर के बाद गेंदबाजी नहीं की और पाकिस्तान ने विश्व कप से पहले एहतियात के तौर पर श्रीलंका के खिलाफ उन्हें आराम दिया। नसीम को अभी लम्बे समय तक मैदान से बाहर रहने पर विचार किया जा सकता है। साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में उनकी टीम में जगह बनाने पर भी संदेह जताया जा रहा है और वह 2024 में पाकिस्तान सुपर लीग में भी खेलने से चूक सकते हैं।